ICAR-CIFE

ICAR-Central Institute of Fisheries Education
(Deemed University)
Panch Marg, Off Yari Road, Versova,
Andheri (West), Mumbai- 400061

mJhinga

Mobile App

for Shrimp Aquaculture

...powering farmers to prosper…

mJhinga is a dynamic Mobile Application developed by ICAR-Central Institute of Fisheries Education, Mumbai for Shrimp Aquaculture in inland salt-affected areas.

mJhinga Mobile App provides detailed advisory to farmers on

- Setting up new shrimp farms
- Growing healthy shrimp crop
- Current market price trends

The dynamic *mJhinga* allows farmers to

- Self-identify problems
- Ask experts when they are not sure
- Check actual and forecasted weather info
- Find a Helpline number for technical & Govt. support

mJhinga doubles as a digital notebook for savvy farmers to

- Record & track their ponds, batches, water quality
- Record daily inputs, harvests, expenses

mJhinga helps farmers to keep a tab on **News** and **Events & Training Info** related to aquaculture.

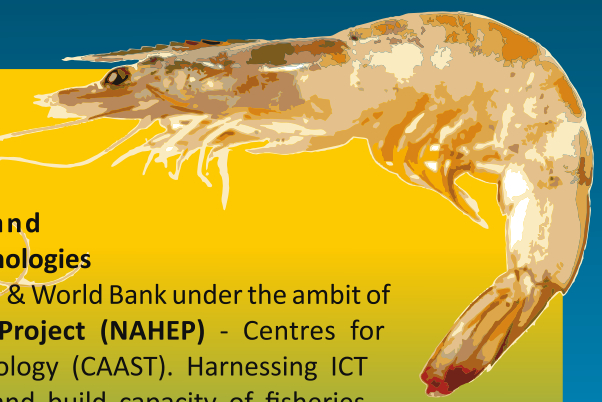

ICAR-CIFE has a flagship program on inland saline aquaculture and has recently initiated a mega project **'Development of Energy Efficient and Environment Protective Aquaculture Technologies for Degraded Soils'**, funded by Govt. of India & World Bank under the ambit of **National Agricultural Higher Education Project (NAHEP)** - Centres for Advanced Agricultural Science and Technology (CAAST). Harnessing ICT based support system for aquapreneurs and build capacity of fisheries professionals (ICT4D) is one of the core Project components, and this Mobile App *(mJhinga)* has been developed as part of Project activity to empower farmers on inland saline aquaculture.

Download from GooglePlayStore
http://bit.ly/icarcifeapp

ICAR-CIFE

भा. कृ. अनु. प. - केन्द्रीय मात्स्यिकी शिक्षा संस्थान
(विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अधिनियम के भाग 3 के अंतर्गत वि. वि.),
भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद
पंचमार्ग, ऑफ यारी रोड,वरसोवा, अंधेरी (पश्चिम),
मुंबई - 400 061

आईसीएआर–सीआईएफई

mझींगा

झींगा जलकृशि के लिए मोबाइल ऐप

..किसानों को समृद्ध बनाने के लिए...

mझींगा–आईसीएआर–केंद्रीय मत्स्य शिक्षा संस्थान, मुंबई द्वारा अंतःस्थलीय खारा जल प्रभावित क्षेत्रों में झींगा जलकृशि के लिए विकसित एक सक्रिय मोबाइल एप्लीकेशन है।

mझींगा मोबाइल ऐप के द्वारा किसानों को दी जाने वाली विस्तृत जानकरी।

- नए झींगा तालाबों की स्थापना के बारें में।
- स्वस्थ झींगा का पालन करना।
- वर्तमान बाजार मूल्य उप्लबध कराना।

mझींगा ऐप किसानों के लिए केसे सहायक है।

- समस्याओं की स्व–पहचान करना।
- किसान अपनी समस्याओं के बारे में विशेषज्ञों से पूछ सकता है।
- वास्तविक और पूर्वानुमानित मौसम की जानकारी की जाँच करें मदद करता है।
- तकनीकी और सरकारी सहायता के लिए एक हेल्पलाइन नंबर खोजनें में मदद करता है।

mझींगा किसानों के लिए एक डिजिटल नोटबुक।

- रिकॉर्ड सनधारण और उनके तालाब, बैच, पानी की गुणवत्ता को जॉचना।
- दैनिक रिकॉर्ड, फसल, खर्च, आय।

mझींगा, किसानों और जलीय कृषि से संबंधित समाचार और प्रशिक्षण जानकारी रखने में मदद करता है।

आईसीएआर–सीआईएफई का अंतःस्थलीय खारा जलीय कृषि पर एक मुख्य कार्यक्रम है हाल ही में विश्व बैंक और भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित 'डीग्रेडेड मिट्टी के लिए ऊर्जा कुशल और पर्यावरण सुरक्षा जलीयकृषि प्रौद्योगिकी का विकास' नामक एक मुख्य परियोजना शुरू की है। भारत के राष्ट्रीय कृषि उच्च शिक्षा परियोजना (NAHEP)–उन्नत कृषि विज्ञान और प्रौद्योगिकी केंद्र (CAAST) के दायरे में । एक्वाप्रिन्योरस और मत्स्य पालन पेशेवरों (आईसीटी 4 डी) के लिए आईसीटी आधारित सहायता करना और निपुणता प्रदान करना, परियोजना के मुख्य घटकों में से एक है। यह मोबाइल ऐप (mझींगां) अंतःस्थलीय खारा जलीय कृषि में किसानों को सशक्त बनाने के लिए परियोजना गतिविधि के हिस्से के रूप में विकसित किया गया है।

Download from GooglePlayStore
http://bit.ly/icarcifeapp